> चुप्पी से क्रिया तक: फ्रांस मे चीनी लोग

हां–हांन चुआंग, इंस्टीटयूट नेशनल डेइटयूडस डेमाग्राफिक्स (आई.एन.ई.डी.), फ्रांस, **एमिली ट्रान**, हांगकांग बैप्टिस्ट यूनिवर्सिटी, और **हेलेन ला बेल**, सी.एन.आर.एस., सी.ई.आर.आइ.–साइंसेज पो पेरिस, फ्रांस द्वारा

एशियाई विरोधी नस्लीय अन्याय के खिलाफ पेरिस में फ्रांस में जन्मे एशियाई प्रदर्शन करते हुए। श्रेयः केमिले मिलरेन्द।

ब्रिटेन और नीदरलैंडस जैसे अन्य पश्चिमी देशों के समान, फ्रांस में चीनी समुदायों का इतिहास बींसवी सदी के प्रारम्भ से है। चीनी लोगों की प्रारंभिक उपस्थिति तीन प्रमुख कारकों से जुडी हुई हैः औपनिवेशीकरण, प्रथम विश्व युद्ध के दौरान चीनी श्रमिकों की भर्ती, और अंतरयुद्ध काल में छात्रों का पड़ाव। इस प्रारंभिक गतिशीलता का हाल की प्रवास की लहरों पर प्रभाव पडाः 1978 के बाद पूर्व के प्रवासी नेटवर्कों के नवीनीकरण के कारण, झेजियांग प्रांत में वानजाउ आजकल चीनी प्रवासियों और फ्रांस में उनके वंशजों की उत्पत्ति का प्रमुख स्थान है। इसके अलावा, फ्रांसीसी औपनिवेशीकरण की विरासतों में से एक दक्षिणपूर्वी एशिया के विदेशी चीनी लोगों की उपस्थिति है जो कंबोडिया, वियतनाम और लाओस से 1970 और 1980 के दशक में शरणार्थियों की तरह पहुंचे थे। सदी के परिवर्तन के बाद से, फ्रांस में नृजातीय चीनी आबादी का संघटन उत्पत्ति के स्थान, प्रवासी मार्गों और वर्ग के संदर्भ में अधिक विविध हो गया है। फ्रांस उत्तरी चीन से प्रवासियों की बडी संख्या के लिये गंतव्यस्थल बन गया है, विशेषकर उन स्थानों से जहां 1990 के दशक में एक नियोजित अर्थव्यवस्था से एक बाजार अर्थव्यवस्था में बदलने के कारण बडे पैमाने पर छंटनी हुई थी। आमतौर पर, यूरोपीय संघ में प्रवेश के लिये छात्र वीजा एक प्रमुख कानूनी माध्यम बना हुआ है। फ्रांस में, चीनी विदेशी–अध्ययन छात्र मोरक्को के बाद विदेशी छात्रों (9%) का दूसरा सबसे बडा समूह है।

फ्रांस में यूरोप में सबसे बडी प्रवासी चीनी आबादियों में से एक है (लगभग 400,000 चीनी प्रवासी और वंशज पर अनुमानित, यद्यपि फ्रांस के पास कोई आधिकारिक नृजातीय आंकडे नहीं हैं); निवासी विदेशियों के बीच, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पी.आर.सी.) से नागरिक पांचवे सबसे बडा समूह है। न केवल वे शिक्षा, रोजगार, और आर्थिक स्थिति (अमीर निवेशक, पारदेशीय व्यापारी, पेशेवरों, विद्यार्थियों, उद्यमियों, और श्रमिकों) के संदर्भ में विविध हैं, बल्कि पीढीयों, गतिशीलता, और फ्रांसीसी समाज में भागीदारिता के स्तर के संदर्भ में भी विविध हैं। इस विविधता के विपरीत कुछ साझा विशेषतायें हैं, जैसे कि प्रवासी उद्यमी क्षेत्र के अंदर दक्षिणपूर्वी एशिया से नृजातीय चीनी लोगों और पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (मुख्यत वानजाउ) से प्रवासीयों के मध्य सहयोग, और, हाल ही में, दैनिक नस्लवाद और सुरक्षा मुददों की निंदा करने के लिये सामूहिक कार्यवाहियों का उदय।

> नस्लवाद के खिलाफ सामूहिक कार्यवाही

पेरिस और इसके उपनगरों में चीनी समुदाय चोरी और छोटे अपराधों का शिकार होते रहें हैं। बहुजातीय सामाजिक आर्थिक रूप से वंचित आसपास के इलाकों में चीनी व्यापारों और भव्य विवाह दावतों सहित समारोहों के संकेद्रण के कारण–चीनी लोगों

> >

को न सिर्फ अमीर समझा जाता है– हमला होने और लुट जाने के बाद पुलिस की मदद लेने की अनिच्छा के कारण वे और अधिक असुरक्षित हैं। बिना दस्तावेज वाले प्रवासियों और छोटे उद्यमियों के लिये समान रूप से, फ्रांसीसी राजनीति के प्रति उदासीनता और अनिश्चित प्रस्थिति ने उन्हें ऐतिहासिक रूप से लामबंदी में संलग्न होने के प्रति अनिच्छुक बना दिया था।

हालांकि, पिछले दशक में, बढती सुरक्षा चिंताओं और घटनाओं के मध्य, पेरिस में चीनी समुदाय, जिसे कभी मूक और यहां तक कि मेहनती, और निम्न प्रोफाइल रखने वाले एक मॉडल अल्पसंख्यक समुदाय के रूप में जाना जाता था, ने पुलिस सुरक्षा की मांग करने के लिये कम से कम पांच बडे प्रदर्शनों का आयोजन किया है। कई बार उन्हें "विदेश में नागरिकों की सुरक्षा" के आधार पर चीनी दूतावास द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। चीनी सरकार द्वारा 2012 से इस प्रकार का समर्थन को, जहाँ भी उसके नागरिकों के हित दांव पर हैं, अपनी शक्ति के प्रदर्शन करने के एक तरीके के रूप में किया गया।

सामूहिक कार्यवाहियों के पांच उदाहरण लामबंदी के प्रारूपों में भिन्न हैं: तीन बडे पैमाने के सडक प्रदर्शन थे; एक उद्यमियों का संघ जो एक (असफल) दवाब समूह में परिवर्तित हो गया; और अंतिम सडक दंगों और शांतिपूर्ण रैलियों का एक संयोजन था। लामबंदिया आमतौर पर एक विशिष्ट इलाके में चीनी निवासियों और व्यापारियों द्वारा अनुभव की गयी सुरक्षा की कमी को उजागर करने के लिये की गयी, और कुछ आम मांगें की गयीः इलाके में पुलिस गश्तों की संख्या बढाना; कानूनी अपराधियों के लिये सजा मजबूत करना; और चीनी पीडितों द्वारा पुलिस में शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाना।

पेरिस के उपनगर में चीनी श्रमिक की हत्या के बाद हुए 2016 के सडक प्रदर्शनों ने एक महत्वपूर्ण मोड को चिन्हित किया, जिसमें दूसरी पीढी एक अधिक सक्रिय भूमिका में आई। फ्रांस में जन्मे नृजातीय चीनी लोंगो ने उस संरचनात्मक नस्लवाद पर जोर देने के दावों को पुनर्गठित किया जो नृजातीय चीनी और अन्य एशियाई लोगों के खिलाफ हिंसा को रेंखाकित करते हैं। चीनी सक्रियता और अखिल एशियाई सामाजिक आंदोलनों का एक लंबे समय तक उत्तरी अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में अध्ययन किया जाता रहाहै,यूरोप में यह शोध एक नया केंद्र बिंदु है। फ्रांस के मामले में, हम फ्रेंच–चीनी लोगों के द्वारा शुरू की गयी तीन मुख्य प्रकार की कार्यवाहियों को रेंखांकित कर सकते है। ये सभी रूढिवादी निरूपण ाों और मान्यता की तलाश से संबंधित हैं: (1) सामूहिक स्मृति का संग्रह और प्रसारण; (2) लक्षित हिंसा के खिलाफ लामबंदी;और (3) एशियाइयों के रूढिवादी निरूपणों को खत्म करने के लिये सांस्कृतिक सक्रियता और इन निरूपणों को संशोधित करना।

स्थानीय रूप से जन्मे फ्रांसीसी चीनी लोगों की हाल की कार्यवाहियों को समझने के लिये, 2000 के दशक में वापिस जाना आवश्यक है, जब ऑनलाइन सामाजिक नेटवर्किंग का प्रसार शुरू हुआ जिसने व्यक्तिगत अनुभवों की सामूहिक अनुभवों में बदलने के लिये एक स्थान प्रदान किया। विशेष रूप से, सामान्य सूक्ष्म आक्रामकताओं और नस्लवादी अपमानों के अप्रत्यक्ष रूपों के अनुभवों के बारे में बहुत कुछ साझा किया गया। फ्रांसीसी चीनी लोगों ने फोरम और चर्चा समूह बनाना शुरू किया–प्रमुखतः फेसबुक पर और बाद में वीचैट और ट्विटर पर– जहां वे मुख्य रूप से फ्रांसीसी भाषा में, कभी–कभी चीनी और अन्य एशियाई भाषाओं के साथ मिश्रित रूप से अपने अनुभव साझा कर सकते थे।

2016 के बाद विकसित हुई "सांस्कृतिक सक्रियता" ने भी मुख्यतः ऑनलाइन उपकरणों जैसे कि छोटे विडियो, ब्लॉग, यूट्यूब चैनलों, वेब सीरीजों, और पॉडकास्ट का उपयोग किया, जिसने कलात्मक और मीडिया क्षेत्रों के फ्रांस मे जन्में एशियाई लोंगों के बीच भिंडतों के लिय नये अवसर दिये। 2016 से, कई ने सामूहिक पहचान के निर्माण और फ्रांस में एशियाइ–विरोधी नस्लवाद के खिलाफ वकालत करने मे योगदान दिया है। कुछ ने अपने कार्यों को अन्य अल्पसंख्यकों के दावों के साथ जोडने की कोशिश करते हुये (जैसे कि ग्रेस ली का पॉडकास्ट, किफे टा रेस, जिसे प्रसिद्ध अफ्रीकी नारीवादी रोख्या डियालो के साथ बनाया गया; या ब्लैक लाइव्ज मैटर विरोधों में एशियाई फ्रेंच की भागीदारी) अंतर–नृजातीय तनावों को बेअसर करने की कोशिश करते हैं। अन्य लैंगिक मुददों के साथ स्वजातीय–नस्लीय मुद्दोंः एशियाई महिलाओं के कामोत्तेजीकरण का विसंबंधन करना और साथ ही एशियाई पुरूषों का विलैगिंकीकरण करना, को जोड़ते हैं।

2020 में, कोविड–19 ने चीन को अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक कूटनीति अभियान के मंचन के लिये एक अनूठा अवसर प्रदान किया, जिसने विदेशों में चीनी लोंगों के समर्थन के साथ ''वास्तविक चीनी कहानी'' को बताने के लिए लामबंद किया। यह अभी देखना बाकी है कि कोविड–19 के प्रकोप से उभरे एशियाई–विरोधी नस्लवाद के खिलाफ चीनी जातीय सक्रियता की हालिया लहर का लाभ उठाने के लिए पीआरसी क्या और किस हद तक प्रयास करती है। इससे भी अधिक यह दिलचस्प होगा कि पहली, दूसरी और तीसरी पीढी के नृजातीय चीनी मातृभूमि की पारदेशीय पहुंच और लामबंदी प्रयासों पर कैसे प्रतिक्रिया करते हैं। ■

सभी पत्राचार हां–हांन चुआंग को <ya-han.chuang@ined.fr> पर
एमिली ट्रान को <emilietran@hkbu.edu.hk> पर और
हेलेन ला बेल को <helene.lebail@sciencespo.fr> पर प्रेषित करें।